भाजपा-आरएसएसः
मिट गईं दूरियां

राजस्थान में जल जीवन
मिशनः गागर घोटालों की

सेहतः शुद्ध हवा के
लिए नए उपकरण

16 अप्रैल, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

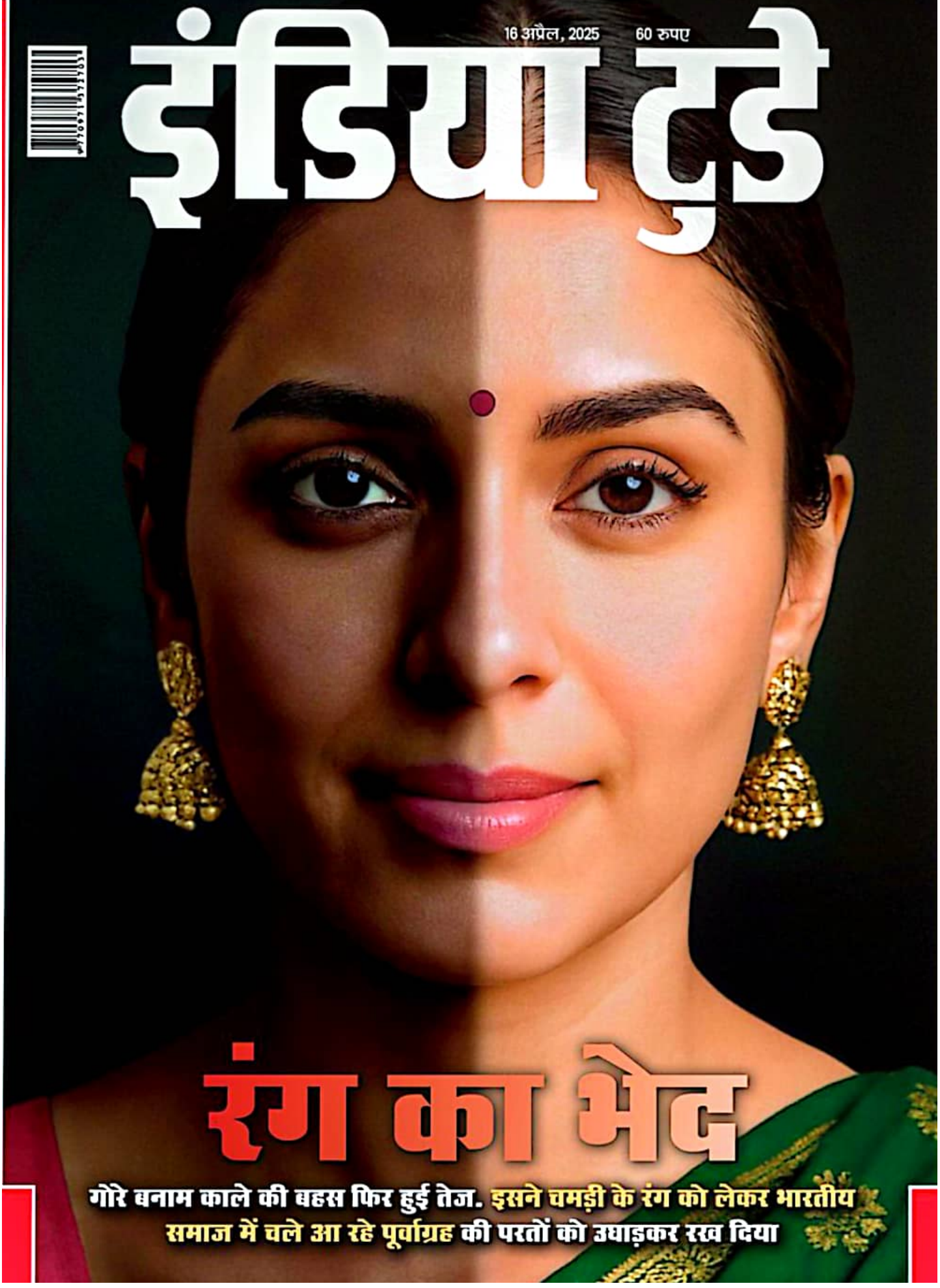

रंग का भेद

गोरे बनाम काले की बहस फिर हुई तेज. इसने चमड़ी के रंग को लेकर भारतीय समाज में चले आ रहे पूर्वाग्रह की परतों को उघाड़कर रख दिया

GALGOTIAS UNIVERSITY NOW RANKED AMONGST THE WORLD'S BEST

BY QS ASIA & THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2025

QS World University Rankings

Galgotias University **187** Southern Asia — ASIA RANKED 2025

ASIA RANKED 2025 — Galgotias University **621-640** ASIA 2025

THE World University Rankings 2025

45th Among Top Indian Universities - both Govt. & Private

in 1000-1200 Band - Worldwide

AN HONOUR BEYOND WORDS. A LEGACY BEYOND BOUNDARIES.

We are steadfast in our commitment to realizing the visionary mission of our Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi Ji, to establish India as a Vishwaguru and propel it toward ksit Bharat. With unwavering dedication, we also pledge to fulfill the ambitious visio ur dynamic leader, Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh, Shri Yogi Adityanath Ji, transform Uttar Pradesh into a global powerhouse of knowledge and innovation.

Her Excellency Smt. Anandiben Patel, Hon'ble Governor of Uttar Pradesh felicitating Dr Dhruv Galgotia, CEO, Galgotias University for the University's exceptional performance in the QS Asia-World University Rankings 2025.

CamScanner

इक्कीसवीं सदी के भारत में क्या फर्क पड़ता है कि आप ऐसी महिला हैं, जो तमाम बाधाएं लांघ आई हैं. बस एक छुटपुट, रुखी-सी टिप्पणी आपको मायूसी और असुरक्षा की उस खाई में धकेल दे सकती है, जिसे आप सोचती हैं कि बहुत पीछे छोड़ आई थीं. एक ऐसा वक्त जब आपकी त्वचा का [illegible] आपको ढके रखता था, अनदेखा, अनसुना और [illegible] देता था. शारदा मुरलीधरन ने हाल में वहीं [illegible] या. वजह केरल की बतौर मुख्य सचिव [illegible] पर एक बेहद गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी [illegible] कहा गया कि उनका कामकाज उतना ही काला है, जितना उनके पति का रंग साफ गोरा है, काले के पीछे ''स्त्री-द्वेष का भाव भी'' चस्पां था. जीवन भर इस रंगभेद का सामना और उसकी लंबे समय से आदी होने के बावजूद शारदा ने एक फेसबुक पोस्ट में ''इस बार मुकाबला करने'' का फैसला किया, क्योंकि उस शख्स ने काले को ''बदसूरत, अभागा, किसी काम का नहीं, काली बुराई, निर्दयी, निरंकुश, अंधेरे'' के पर्याय की तरह पेश किया था.

इस भावुक पोस्ट से मानो पुराने जख्म हरे हो गए और देश में सांवले-काले रंग के लोगों के प्रति भद्दे, अनुचित पूर्वाग्रह की बहस को फिर से सुलगा दिया. शारदा की पोस्ट के जवाब में मुख्यधारा और सोशल मीडिया पर निंदा का जैसे सागर फूट पड़ा. एक्स पर #Unfair&Lovely ट्रेंड करने लगा, जिनमें सुंदरता के पैमाने को चुनौती दी गई और गहरे रंग की त्वचा की वाहवाही की गई. कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रां प्रि पुरस्कार जीतने वाली पहली फिल्म पायल कपाडिया की *ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट* में अमिट छाप छोड़ने वाली अभिनेत्री कनि कुसरुति ने एक प्रमुख दैनिक में भावुक स्तंभ लिखा कि कैसे बचपन में उनके परिजन उन्हें केवल हल्के रंग के कपड़े पहनने को कहा करते थे, क्योंकि ''काला या कोई अन्य गहरा शेड पहना तो दिखोगी ही नहीं.'' उन्होंने यह भी लिखा कि रंगभेद की बाकायदा ऊंच-नीच की व्यवस्था है, खासकर महिलाओं और लड़कियों के लिए और इस तरह सुंदरता के बारे में.

सभी फोटो: हार्दिक छाबड़ा

नंदिता दास | 55 वर्ष |
अभिनेत्री और निर्देशक

"मेरी त्वचा के रंग से मुझे क्यों पुकारा जाए?"

मेरे बारे में लिखा जाता है, तो मुझे अक्सर 'काली और सांवली' कहा जाता है. मुझे इससे कोई शिकायत नहीं. जो जैसा है उसे वैसा कहे जाने की मैं हिमायती हूं. असल में काले रंग को सांवला भी कहने की दरकार नहीं! मुझे बस हैरानी यह है कि मेरी त्वचा के रंग से मेरे परिचय को जोड़ने की क्या जरूरत. मुझे उम्मीद है कि मेरे बारे में और भी बहुत कुछ है! या यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि अभिनेत्रियां सांवली कम ही पाई जाती हैं इसलिए यह बताना जरूरी हो जाता है.

किसी की त्वचा का रंग उसके कई पहलुओं में से सिर्फ एक बात है और इसलिए उस पर ज्यादा जोर देना उसके साथ नाइंसाफी होगी. बस इतना ही.

CamScanner